विश्व में शांति के लिए संस्था के प्रयास सराहनीय

प्लेटिनम जुबली' का भव्य कार्यक्रम का आयोजन

बंगलोर। संस्था द्वारा विश्व को आध्यात्मिक ज्ञान से सिंचते हुए गौरवशाली 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में वी.वी.पुरम के, नेशनल कॉलेज के मैदान में 'प्लेटिनम जुबली' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसे सम्बोधित करते हुए कर्नाटक के मुख्य मंत्री डी.वी.सदानंद गोड़ा ने कहा कि ब्रह्माकुमारी संस्था ने मानव के कल्याण के लिए और विश्व शांति के लिए लगातार जो प्रयास किये हैं वो सराहनीय है। आज विश्व के दो स्थानों के बीच की दूरी कम हो गई लेकिन इसके साथ ही साथ व्यक्ति स्वयं से भी मानसिक रूप से दूर होता जा रहा है। आज मानव के मन से प्यार और विश्वास की भावना घटती जा रही है। आज मानव इन गुणों से दिन प्रति दिन दूर होता जा रहा है। मैं आशा करता हूँ कि इस संस्था के प्रयास से विश्व में शांति और संतुष्टता का वातावरण जल्द ही निर्मित होगा। वर्तमान समय इनका जो विषय है 'एक परमात्मा, विश्व एक परिवार' बहुत ही सार्थक है। क्योंकि आज समाज भिन्न-भिन्न मतभेदों में बटा हुआ हुआ है। ऐसे समय पर इन्हें एकजुट करना बहुत ही आवश्यक है।

संस्था की संयुक्त मुख्य प्रशासिका दादी हृदयमोहिनी ने कहा कि आज हर कोई अपने जीवन में खुशी और शांति ढूंढ रहा है। हमारे जीवन में खुशी का बहुत ही महत्वपूर्ण स्थान है। आज के समय में मेडिटेशन बहुत ही आवश्यक है। हम परमात्मा से अपने सम्बन्ध को जोड़कर अपनी खोयी हुई शक्ति को पुन: प्राप्त कर सकते हैं। यदि हम परमात्मा को याद करके कोई कार्य करते हैं तो वह अवश्य ही सफल होता है। आज लोग अपनी इच्छाओं की पूर्ति के लिए गलत तरीकों का इस्तेमाल करते हैं जिसके कारण समाज में भ्रष्टाचार बढ़ता ही जा रहा है। आज व्यक्ति धन कमाने के चक्कर में अपने मूल स्वरूप आध्यात्मिक से ही दूर हो गया है। राजयोग मेडिटेशन का निरंतर अभ्यास करने से हमें मन की शांति मिलती है। जिससे यह अनुभूति होती है कि मैं एक चैतन्य शक्ति आत्मा हूँ और इस शरीर से अलग हूँ।

संस्था के महासचिव ब्र.कु.निर्वैर ने कहा कि आज हर कोई यही कह रहा है कि 2012 में विनाश हो जायेगा, माया कलेण्डर समाप्त हो रहा है। उन्होंने कहा कि इसमें डरने की कोई बात नहीं है ये तो खुशी की बात है कि अब तो दैवी दुनिया की स्थापना हो रही है। आज पांच विकारों के कारण ही मानव अपने स्वमान से नीचे गिरा है। आज जीवन में जो दु:ख, अशांति है उसका मूल कारण देहाभिमान है। हमें मेडिटेशन का अभ्यास करके इस देहाभिमान को छोड़ना होगा। उन्होंने कहा कि यह संस्था सर्वप्रथम पाकिस्तान के सिंध प्राप्त से प्रारंभ हुई थी और वर्तमान समय यह माउण्ट आबू में स्थापित हुई है। उन्होंने अपने शुरूआत के दिनों के अनुभवों को याद करते हुए बताया कि जब मैं नौकरी कर रहा था तो उसी समय मैं ब्रह्माकुमारीज् के सम्पर्क में आया। जब मैं पहली बार ब्रह्मा बाबा से मिला तो मुझे ऐसा अनुभव हुआ कि उनकी भ्रकुटि के मध्य एक ज्योति चमक रही है।

मीडिया प्रभाग के उपाध्यक्ष ब्र.कु.करूणा ने बताया कि मैं भगवान की खोज में बहुत से जगहों पर गया और बहुत से साधु-महात्माओं से भी मिला। लेकिन मुझे कहीं से भी सही जवाब नहीं मिला। जब मैं ब्रह्माकुमारीज् के सम्पर्क में आया तब मैं दादी जी से मिला और मुझे भगवान के बारे में सही जानकारी मिली और मुझे उसकी अनुभूति भी हुई कि वह इस समय ब्रह्मा के तन में आया हुआ है और लुप्त प्राय: राजयोग का ज्ञान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारी हार्दिक इच्छा यही है कि हर कोई भगवान से मिले और उनसे अपने सम्बन्धों की अनुभूति करे। आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के न्यायाधीश वी.ईश्वराह ने राजयोग मेडिटेशन से होने वाले फायदे को विस्तार से बताया। इस कार्यक्रम को ब्र.कु.मृत्युंजय, ट्रांसपोर्ट मंत्री आर.अशोक, ब्र.कु.पद्मा, ब्र.कु.प्रेम, ब्र.कु.सरोज, ब्र.कु.विजय ने भी सम्बोधित किया। कर्नाटक सबजोन की संचालिका ब्र.कु.अंबिका ने सभी को राजयोग के द्वारा गहन शांति की अनुभूति कराई। इस अवसर पर लेजर शो के द्वारा संस्था के 75 वर्षों के इतिहास को दिखाया गया।

बंगलोर। मंचासीन हैं दादी हृदयमोहिनी, ब्र.कु.निर्वैर, मुख्यमंत्री डी.वी.सदानंद गोड़ा, ट्रांसपोर्ट मंत्री आर.अशोक, ब्र.कु.मृत्युंजय, क्षेत्रीय संचालिका ब्र.कु.अंबिका तथा अन्य।

बंगलोर। संस्था कीसंयुक्त सह मुख्य प्रशासिका दादी हृदयमोहिनी ब्र.कु.निर्वैर वरदानी भवन का उद्घाटन करते हुए,।

बंगलोर। नवनिर्मित भवन का उद्घाटन करते हुए व मुख्यमंत्री डी.वी.सदानंद गोड़ा को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए दादी हृदयमोहिनी।

सदस्यता शुल्क

भारत – वार्षिक 150 रूपये,
तीन वर्ष 450 रूपये
आजीवन 3500 रूपये
विदेश – 1800 *रूपये (वार्षिक)*
कृपया सदस्यता शुल्क 'ओम शान्ति मीडिया' के नाम मनीआर्डर या बैंक ड्राफ्ट (पेएबल एट माउण्ट आबू) द्वारा भेजें ।

पत्र-व्यवहार

सम्पादक : ब्र.कु.गंगाधर
ओम् शान्ति मीडिया
ब्रह्माकुमारीज्, शांतिवन, तलहटी
आबू रोड (राज.) 307510, फोन - 02974 235036, Enquiry for Membership-9414006096
(M)- 9414154344, E-mail : mediabkm@gmail.com, omshantimedia@bkivv.org, webside:www.omshantimedia.info

प्रति

RNI NO RAJHIN/2000/721 , NEWS PAPER TO POST CONCSSIONAL REGISTRATION NO. RJ/ SIROHI/9623/12-14, 12TH TO 14TH, 22ND TO 24TH POSTED TO STSHANTIVAN POST OFFICE
संपादक:ब्र.कु.गंगाधर, सलाहाकार संपादक: कमल दीक्षित, सत्वाधिकार-प्रकाशक:ब्र.कु.करुणा द्वारा ब्रह्माकुमारीज मीडिया प्रभाग (आर.ई.आर.एफ.) के लिए प्रकाशित एवं डी.बी.प्रिंट साल्यूशन्स जयपुर से मुद्रित।